अलोकिक गीतांजलि - 2

☐ सत्य ही शिव है

सत्य ही शिव है, शिव ही सुन्दर, सुन्दरता अति प्यारी

शिव का ज्ञान समझने वालों से है ये माया हारी

सत्यम शिवम सुन्दरम.....।

शिव सुखकर्त्ता, है दुःखहर्त्ता, कल्याणी कहलाये

जन्म-जन्म की पतित आत्माओं को मुक्ति दिलाये

जन-जन को यह मंत्र सिखाकर 'मनमनाभव मामेकम'

सत्यम शिवम सुन्दरम.....।

सत्य पिता सतगुरु हमारा सबसे अति निराला

भर देता है ज्ञानामृत से खाली मन का प्याला

ज्ञान खजानों के आगे है सारे जग का धन कम

सत्यम शिवम सुन्दरम.....।

शिव की महिमा के आगे माया के बंधन टूटे

सच्चा नाता परमपिता का जग के नाते झूठे

सत्य वचन सतगुरु समझाके तोड़े लाख भ्रम

सत्यम शिवम सुन्दरम.....।

➢➢ सत्य ही शिव है...

➳ _ ➳ सत्य सरल है...

➢➢ शिव ही सुन्दर, सुन्दरता अति प्यारी

➳ _ ➳ असत्य कुरूप होता है...

➢➢ शिव का ज्ञान समझने वालों से है ये माया हारी

➳ _ ➳ सबसे पहले तो यह समझना है की अभी ज्ञान की पूरी समझ आई नहीं...

→ Information Collect करना और जानना ... यह दो अलग बातें हैं...

➳ _ ➳ विचार कीजिये की

→ क्या क्या नहीं जाना है ?

→ क्यों नहीं जाना है ?

➳ _ ➳ खुद सुप्रीम टीचर से पूछो की यह कैसे ?

➳ _ ➳ बुधी (पात्र) को स्वच्छ बनाना होगा

→ तभी ज्ञान बुधी में बैठेगा

→ ज्ञान का आह्वान कीजिये

- हे ज्ञान... आकर मेरी बुधी में बैठ जाओ...

➢➢ सत्यम शिवम सुन्दरम.....।

➳ _ ➳ सत्य शिव है

➳ _ ➳ सत्य सुंदर है

➳ _ ➳ शिव सत्य है

➳ _ ➳ शिव सुंदर है

➳ _ ➳ सुन्दरता सत्य है

➳ _ ➳ सुन्दरता शिव है

➢➢ शिव सुखकर्त्ता, है दुःखहर्त्ता, कल्याणी कहलाये

➳ _ ➳ जो बाप के टाइटल हैं

→ वह बच्चों के स्वमान हैं...

➢➢ जन्म-जन्म की पतित आत्माओं को मुक्ति दिलाये

➢➢ जन-जन को यह मंत्र सिखाकर 'मनमनाभव मामेकम'

➢➢ सत्य पिता सतगुरु... हमारा सबसे अति निराला

➳ _ ➳ भगवन सबसे निराला क्यों हैं ?

→ अनासक्त

→ अभोक्ता

→ अकर्ता

→ परम साक्षी

➢➢ भर देता है ज्ञानामृत से... खाली मन का प्याला

➢➢ ज्ञान खजानों के आगे है... सारे जग का धन कम

➳ _ ➳ जब हमारी विनाशी लोतीली लगती है तो कितनी ख़ुशी होती है..

→ अब तो हमारी अविनाशी लाटरी लग गयी है....

➢➢ शिव की महिमा के आगे माया के बंधन टूटे

➳ _ ➳ शिव के आगे बैठकर.. उसे उसकी ही महिमा सुनाओ

➢➢ सच्चा नाता परमपिता का जग... के नाते झूठे

➳ _ ➳ देह के सभी समबन्ध स्वार्थ पर आधारित है...

➳ _ ➳ देह के सभी सम्बन्ध खुदगर्ज़ हैं

➳ _ ➳ देह के सभी सम्बन्ध मिथ्या है... स्वपन है...

➢➢ सत्य वचन सतगुरु समझाके... तोड़े लाख भ्रम

➳ _ ➳ ज्ञान में आने के बाद कौन कौन से भ्रम होते हैं ?

→ हम बहुत बड़े ज्ञानी, योगी हैं...

→ मेरी सेवा best है.. मैं सेवा बहुत अच्छी करता हूँ...